बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

सितंबर, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची

पेज नं.

(A)	**कौशल किशोर मिश्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य बने**	03
(B)	उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किए गए सामुदायिक स्वयंसेवक	04
(C)	आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बेटियां भी नहीं पीछे	07
(D)	बालासोर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों को राहत पहुंचाने का कार्य जारी	09
(E)	प्राधिकरण की पहल पर जख्मों पर मरहम लगाने आगे आईं जीविका दीदियां	10
(F)	धरोहरों को मिलकर संरक्षित करेंगे प्राधिकरण और एन.आई.टी.	11
(G)	बीएसडीआरएन की उपयोगिता जांचने के लिए पटना में मॉकड्रिल	12
(H)	मदरसों के 295 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण	13
(I)	एनसीसी शिविर में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल	14
(J)	जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम	15
(K)	बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण	16
(L)	आपदा प्रबंधन पर जीविका दीदियों के 'मास्टर ट्रेनर्स' का प्रशिक्षण कार्यक्रम	18
(M)	अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए ड्राफ्ट एमओयू की समीक्षा	20
(N)	भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र	21
(O)	डीआरआर रोडमैप का अद्यतीकरण	22
(P)	दिव्यांगजनों को आपदाओं में सुरक्षित रखने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन	23
(Q)	हर माह की 14 तारीख को होगा हिंदी दिवस का आयोजन	24
(R)	कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान	26
(S)	कॉलेज छात्रों के बीच नुक्कड़ नाटक स्क्रिप्ट लेखन प्रतियोगिता	27
(T)	'इनसे मिलिए' कार्यक्रम	28
(U)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	29
(V)	व्यय विवरणी	30
(W)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	31

(A) कौशल किशोर मिश्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य बने

श्री कौशल किशोर मिश्र ने दिनांक 5 सितंबर, 2023 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय सदस्य का पदभार ग्रहण कर लिया। आपदा प्रबंधन विभाग ने एक दिन पूर्व इस आशय की अधिसूचना जारी की थी। श्री मिश्र टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी पद से वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हुए। बीमा क्षेत्र में इन्हें 43 वर्षों से ज्यादा कार्य का अनुभव है। पटना स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), जो पूर्व में बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद श्री मिश्र वर्ष 1979 में बीमा क्षेत्र से जुड़ गए। आपने प्रबंधन में डिप्लोमा भी किया है। सेवानिवृत्ति के पश्चात आप समाज सेवा के कार्यों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। कई कंपनियों और संस्थानों में स्वतंत्र निदेशक व सलाहकार की भूमिका में भी रहे हैं। तत्पश्चात, दिनांक 12 सितंबर, 2023 को माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र का प्राधिकरण परिवार में आत्मीय स्वागत किया गया। कर्मचारियों से औपचारिक परिचय सत्र के बाद अपने संबोधन में उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों के सहयोग से प्राधिकरण को नई बुलंदियों तक ले जाने की बात कही। इस मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पीएन राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार, भा.प्र.से. की गरिमामयी उपस्थिति रही।

(B) उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किए गए सामुदायिक स्वयंसेवक

- 15 सामुदायिक स्वयंसेवकों को 11–11 हजार रूपये की सम्मान राशि व प्रशस्ति पत्र सौंपे गए
- राज्य भर से आए 300 से ज्यादा स्वयंसेवक बने साक्षी, शिक्षकों, प्रशिक्षित कुशल तैराक व राजमिस्त्रियों ने समारोह में की शिरकत

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से 27 सितंबर को आयोजित एक समारोह में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करनेवाले 15 सामुदायिक स्वयंसेवकों का सम्मान किया गया। नेहरू पथ स्थित सरदार पटेल भवन के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्य भर से करीब 300 की संख्या में प्रशिक्षित सामुदायिक स्वयंसेवकों, शिक्षकों, कुशल तैराकों व राजमिस्त्रियों ने भाग लिया। सम्मानित किए गए इन स्वयंसेवकों ने अपने–अपने जिलों में जिला प्रशासन के सहयोग से अत्यंत सराहनीय कार्य किए हैं। तीन जीविका दीदियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने बालासोर ट्रेन हादसे के पीड़ितों तक ससमय राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका अदा की। प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा व माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राधिकरण के सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) ने स्वागत भाषण किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी श्री संदीप कुमार ने किया। माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र ने सम्मानित सामुदायिक स्वयंसेवकों को 11–11 हजार रूपये की सम्मान राशि व प्रशस्ति पत्र सौंपे।

इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने सामुदायिक स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आप जिस तरह का काम कर रहे हैं, उससे बहुत गर्व का अनुभव होता है। आपने धरातल पर जिस तरह मलमास मेला और मंदार मेला में काम किया, वह काबिलेतारीफ है। दोनों ही जगह के जिलाधिकारियों ने आपके कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। श्री वर्मा ने कहा कि प्राधिकरण का यह कारवां यहीं रुकने वाला नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में प्राधिकरण की अब कोशिश है कि राज्य के हर गांव, टोले व बसाहट में एक प्रशिक्षित आपदा स्वयंसेवक तैयार हो। वह स्वयंसेवक वहां अकेला नहीं होगा, वह अपने गांव, टोला के तमाम युवकों को आपदा जागरूकता के कार्यक्रम में जोड़ेगा। उन्होंने अपने संबोधन का अंत इस शेर के साथ किया–

जिंदगी की असली उड़ान अभी बाकी है,
जिंदगी के कई इम्तिहान अभी बाकी हैं,
अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन हमने,
अभी तो सारा आसमान बाकी है।

प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय ने कहा कि आप महज स्वयंसेवक नहीं हैं। आप सभी आपदा प्रबंधन के चैंपियन हैं। कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है आपकी, यह आपको समझना होगा। मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम हो, सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण हो या राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण, यह सारे कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री के अत्यंत प्रिय हैं और उन्हीं के निर्देशन में हमलोग यह काम कर रहे हैं। श्री राय ने बताया कि आप चैंपियन के रूप में प्राधिकरण के साथ पूरे साल भर कार्य करें, हमलोग यह योजना बना रहे हैं। गांव–गांव में स्वयंसेवकों की फौज तैयार करनी है। इसमें आप सभी का सहयोग लिया जाएगा।

अंत में अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने कहा कि आप सब अनाम सिपाही हो, जो प्राधिकरण के लिए अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे हैं। आज किसी भी प्रकार के कष्ट में, आपदा में गांव के लोग सबसे पहले आपको याद करते हैं। आप उस ध्येय वाक्य के साथ काम करते हैं, जिसमें कहा गया है– बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय, आत्म बोधायच। माननीय उपाध्यक्ष ने कहा कि

इज्जत, शोहरत, धन सब एक दिन खत्म हो जाता है लेकिन दुआएं हमेशा साथ रहती हैं। बेशुमार लोगों की दुआएं हमेशा आपके साथ रहेंगी। बिना किसी उम्मीद अगर आप किसी की सेवा करते हैं, तो बदले में आपको दुआएं मिलती हैं। माननीय उपाध्यक्ष ने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए जज्बा, सोच, ताकत और जुनून होना चाहिए और तब जाकर यही सामुदायिक स्वयंसेवक का हमारा कार्यक्रम एक मशाल बन जाएगा। आप चाहें तो देश को, राज्य को चमका सकते हैं। बहुत आगे ले जा सकते हैं। अंत में उन्होंने सामुदायिक स्वयंसेवकों से शपथ के रूप में निम्नलिखित पंक्ति दोहराने को कहा–

'हम अपनी जिंदगी अपने लिए नहीं जीकर समुदाय के लिए जिएंगे क्योंकि हम भी इसी समुदाय का हिस्सा हैं। समुदाय बढ़ेगा, तो हम भी बढ़ेंगे।'

समारोह में मौजूद स्वयंसेवकों समेत सभी लोगों ने समवेत स्वर और तेज आवाज में इसका पाठ किया।

जिन्हें सम्मानित किया गया

सम्मानित किए गए स्वयंसेवकों में पूर्णिया की नेहा कुमारी झा, जूली दास, प्रमोद कुमार कर्मकार, मुंगेर के सुप्रशांत कुमार, भागलपुर के रोहित कुमार, नालंदा के सनी कुमार, मुजफ्फरपुर के राहुल कुमार और नालंदा के दिलीप कुमार शामिल हैं। इनके साथ ही बांका की प्रखंड शिक्षिका ज्योति कुमारी, मधुबनी की जीविका दीदी उर्मिला देवी, नरकटियागंज की जीविका दीदी गीता देवी, सकरा मुजफ्फरपुर की जीविका दीदी कुमारी उषा, मनेर पटना की कुशल तैराक अंजली कुमारी, महनार वैशाली के कुशल तैराक सुबोध कुमार और प्रशिक्षित राजमिस्त्री भीम प्रसाद यादव को भी सम्मानित किया गया।

(C) आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बेटियां भी नहीं पीछे

- बिहटा में 191 महिला सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया

बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें, तो वे अपने जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है। विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करने में ये युवा अपने समुदाय के मददगार साबित हो सकें, इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है।

बिहार की बेटियां आज हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार के प्रगतिशील सोच और साहसिक फैसलों की वजह से यह संभव हो पाया है। बिहार देश का पहला राज्य है, जहां पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिला जनप्रतिनिधियों के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गईं। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी अब बेटियों की भागीदारी बढ़ रही है। आनंदपुर, बिहटा स्थित सिविल डिफेंस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में दिनांक 01.09.2023 से 12.09.2023 तक चले आवासीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम में वैशाली एवं पटना जिले की कुल 91 महिला सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। इसी माह इसी केंद्र पर पुनः दूसरे बैच में दिनांक 15.09.2023 से 26.09.2023 तक चले ट्रेनिंग में कटिहार एवं पूर्णिया जिला की कुल 100 महिला आपदा मित्र प्रशिक्षित की गईं।

उधर, सितम्बर माह में युवाओं को भी प्रशिक्षण देने का कार्य मालसलामी, पटना स्थित ओ0 पी0 शाह ट्रेनिंग सेंटर में जारी रहा। आपदा सामुदायिक स्वयंसेवक (पुरुष) प्रशिक्षण के दो बैच यहां संचालित किए गए। प्रथम बैच दिनांक 31.08.2023 से 11.09.2023 तक चला जिसमें जिला अररिया, नालंदा, पटना, समस्तीपुर, सहरसा, दरभंगा, गोपालगंज से कुल 801 पुरुष आपदा मित्र प्रशिक्षित किए गए। वहीं, दूसरा बैच दिनांक 15.09.2023 से 26.09.2023 तक चला जिसमें जिला वैशाली, गोपालगंज, पटना, पूर्वी चंपारण, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, पश्चिम चंपारण एवं मधुबनी से कुल 882 पुरुष आपदा मित्र प्रशिक्षित किए गए।

(D) बालासोर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों को राहत पहुंचाने का कार्य जारी

ओड़िशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना ने देश और कई राज्यों विशेषकर बिहार को प्रभावित किया। मृतकों और घायलों की सूची में बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं। माननीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों को तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक सहायता के लिए शुरू किये गए प्रयास में जीविका, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, रिलायंस फाउंडेशन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस इत्यादि जुड़ते चले गए। सब मिलकर पुनर्वास एवं पुनर्प्राप्ति पर कार्य कर रहे हैं। अबतक 117 पीड़ितों ने रेल क्लेम ट्रिब्यूनल में दावा जमा किया है। इनमें से 50 दावों के ऊपर ट्रिब्यूनल का निर्णय आ चुका है जिसके तहत रेलवे को इन पीड़ितों को ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार क्षतिपूर्ति करना है। 38 मृतक परिवार के दावों का एवं 12 घायल के दावों का निपटारा हो चुका है ।
रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से प्राधिकरण प्रत्येक मृतक परिवार से एक व्यक्ति को रिलायंस के स्टोर में रोजगार, प्रत्येक पीड़ित परिवार से एक व्यक्ति के कौशल विकास की व्यवस्था तथा जरुरतमंदों को पशुधन सहयोग के लिए प्रयास कर रहा है। इस कार्य का नाम प्रोजेक्ट विश्वास दिया गया। इसके तहत सभी जिलों में एक साथ विस्तृत सर्वेक्षण का कार्य जीविका जिला प्रबंधकों द्वारा किया जा रहा है ताकि प्रभावी पुनर्वास योजना बनाई जा सके।

सामाजिक कल्याण विभाग एवं सामाजिक सुरक्षा निदेशालय से समन्वय स्थापित किया गया एवं वे भी सहयोगी की भूमिका में आगे आ गए। निदेशालय की ओर से सभी संबंधित जिले के अपने पदाधिकारियों के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी सुरक्षा की योजनाओं से पीड़ित परिवारों को आच्छादित करने का कार्य किया गया ताकि सरकारी योजनाओं का पीड़ित परिवारों को लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा 115 लाभुकों को दी गई सहायता एवं पुनर्वास का विवरण इस प्रकार है :

1. इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना : 09
2. लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना : 28
3. मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना : 07
4. कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना : 38
5. राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना : 31
6. बिहार निरूशक्तता पेंशन योजना : 02

साथ ही साथ जिन घायलों की विकलांगता जैसी स्थिति है, उनकी जाँच कराकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिए जाने का प्रयास भी चल रहा है। प्राधिकरण का प्रयास है कि इस प्रयोग के माध्यम से एक कार्यनीति या मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा सके ताकि भविष्य में अपकेंद्रीय आपदा से पीड़ितों के लिए सहायता एवं पुनर्वास का कार्य निर्बाध गति से चलता रहे।

(E) प्राधिकरण की पहल पर जख्मों पर मरहम लगाने आगे आईं जीविका दीदियां

बालासोर ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों की कहानी अधूरी रहेगी, अगर पीड़ितों को तात्कालिक सहायता एवं पुनर्वास के लिए जीविका दीदियों के अद्वितीय प्रयासों की चर्चा न की जाए। यह है तीन जीविका दीदियों की कहानी, जिन्हें बालासोर ट्रेन हादसे में बिहार से पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण कार्य करनं के लिए 27 सितम्बर, 2023 को पटना में आयोजित सामुदायिक स्वयंसेवकों के सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

1. जिला मधुबनी, प्रखंड हरलाखी के फूलगेन कामत ट्रेन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए। प्राधिकरण की पहल पर पीड़ित की सहायता में जीविका समूह द्वारा तत्काल उनकी पत्नी नीलम देवी को 5000 रुपए देकर इलाजरत पति के पास ओडिशा भेजा गया। इसके पश्चात CLF की अध्यक्ष उर्मिला देवी द्वारा सभी सदस्यों के सहयोग से सामुदायिक अंशदान द्वारा लगभग 13000.00 रुपए जमा किए जाते हैं। इस राशि से करीब 2–3 महीने के खाने–पीने का सामान (चावल, दाल, आलू, सोयाबीन, तेल, चना आदि) और लगभग 3000.00 रुपए की राशि नगद प्रदान की जाती है।

2. जिला पश्चिमी चंपारण, प्रखंड नरकटियागंज, ग्राम– मझरिया, पंचायत–बिन्वलिया के शत्रुधन पासवान एवं बजरंगी पासवान की मौत इस दुर्घटना में हो गई। प्राधिकरण की ओर से इसकी जानकारी मिलने पर जीविका के अनुष्का समूह की सदस्य गीता देवी के नेतृत्व में रहत कार्य शुरू किया गया। इसी घटना में गीता दीदी के समूह की दो दीदियों के बेटे और एक दीदी के पति की मौत कम उम्र में ही हो गई। इस परिस्थिति में गीता दीदी ने उन पीड़ित दीदियों को ढांढस बंधाया और भारत सरकार द्वारा मिली मुआवजा राशि को सही उपयोग की सलाह दी। इसके साथ उन्होंने बिन्वलिया पंचायत में चल रहे मुर्गी उत्पादक समूह से मुर्गी दिला कर छोटी सी आमदनी का स्रोत उपलब्ध कराया। पीड़ित परिवार की दीदियों के बच्चे जो स्कूल से नहीं जुड़े थे उनके प्रयास से स्कूल से जुड़ गए हैं। इसके अलावा इन परिवारों को गीता दीदी ने सतत जीविकोपार्जन योजना से भी जोड़ने का कार्य किया।

3. जिला मुजफ्फरपुर, प्रखंड सकरा, ग्राम–मिश्रौलिया से के तीन लोगों की मौत इस दुर्घटना में हो गई। दो लोग घायल हो गए। घटना के बारे में जानकारी होने पर उषा दीदी पीड़ित परिवारों से मिलती हैं तथा उनकी स्थिति के बारे में जानकारी हासिल करती हैं। उसके पश्चात खाद्य सुरक्षा निधि राशि का उपयोग करते हुए ग्राम संगठन के माध्यम से परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध करवाती है। उषा दीदी सभी पीड़ित परिवारों को रेल तथा अन्य अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने में तत्परता से सहयोग कर रही हैं ताकि पीड़ित परिवारों को विभिन्न माध्यमों से जोड़कर पीड़ितों को सुरक्षित सामाजिक, भावनात्मक तथा आर्थिक भविष्य दिया जा सके।

(F) धरोहरों को मिलकर संरक्षित करेंगे प्राधिकरण और एन.आई.टी.

बिहार के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के संरक्षित स्मारकों को आपदाओं के खतरों से बचाने और उन्हें सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आज दिनांक 14 सितंबर को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पटना के साथ एक समझौता पत्र (एमओयू) पर दस्तखत किए। इसके तहत गोलघर, छोटी पटन देवी, विष्णुपद मंदिर, मुंगेर किला, टेकारी किला, पार्वती पहाड़ी, चौसागढ़, प्रेतशिला पहाड़ी, महमूद शाह का मकबरा जैसे 54 स्थलों का विस्तृत अध्ययन एनआईटी के विशेषज्ञ करेंगे और इसे सुरक्षित– संरक्षित रखने के उपाय बताएंगे। वास्तुकला और योजना विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ अंजली शर्मा इस प्रोजेक्ट "Vulnerability Assessment and Remedial Measures for Protected Monuments in Bihar" की इंचार्ज होंगी। एमओयू पर प्राधिकरण की ओर से सचिव श्री मीनेंद्र कुमार, आईएएस और एनआईटी की ओर से वास्तुकला और योजना विभाग के एचओडी डा. मनोज कुमार ने दस्तखत किए। प्रोजेक्ट कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। इस मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी एन राय, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्रा सहित तमाम वरीय पदाधिकारी और प्रोफेशनल्स मौजूद थे।

बीएसडीएमए ने पिछले ही महीने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के साथ भी एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया था। वज्रपात यानी ठनके की वजह से असमय होनेवाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से आईआईटी लाइटनिंग अलर्ट पेंडेंट विकसित करने जा रहा है। –"Facilitating adoption of IoT –Edge and AI based technologies for natural disaster management in Bihar" प्रोजेक्ट पर विशेषज्ञों ने काम शुरू कर दिया है।

(G) बीएसडीआरएन की उपयोगिता जांचने के लिए पटना में मॉकड्रिल

प्राधिकरण द्वारा विकसित बिहार स्टेट डिजास्टर रिसोर्स नेटवर्क (बीएसडीआरएन) का मोबाइल एप्प गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर इसका उपयोग किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल आपदाओं के समय विभिन्न सरकारी तथा रिस्पांस एजेंसियों द्वारा त्वरित रिस्पांस हेतु किया जाता है। आपदा के समय बीएसडीआरएन पर उपलब्ध संसाधन, सामग्री इत्यादि मोबाइल फोन के माध्यम से प्राप्त कर पाना अब आसान हो गया है। बिहार के सभी 38 जिलों द्वारा उपलब्ध संसाधनों का पोर्टल पर दर्शाया गया है। विभिन्न आपदाओं में त्वरित कार्रवाई हेतु बचाव एवं राहत में यह एप्प बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि सभी अधिकारी–कर्मी जो आपदा प्रबंधन से जुड़े हैं बड़ी सुगमता से संसाधन प्राप्त कर पाएंगे। इस मोबाइल एप्प के विशिष्ट फीचर्स और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के आकलन हेतु एक मॉकड्रिल का आयोजन दिनांक 25.09.2023 को 12 बजे दोपहर गंगा पथ (मरीन ड्राइव), पटना स्थित गोलंबर के पास किया गया। इसके लिए सड़क सुरक्षा से सम्बंधित सभी हितधारक यथा–दीघा थाने की पुलिस, पुलिस (यातायात पुलिस) सहित, स्वास्थ सेवाएं, एसडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग, 112 आकस्मिक सेवा इत्यादि मॉकड्रिल स्थान पर सूचना पाने के उपरांत ससमय पहुंच गए। यह कार्यक्रम माननीय उपाध्यक्ष तथा माननीय सदस्यद्वय की देखरेख में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

(H) मदरसों के 295 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सितंबर माह में सात बैच में मदरसों के कुल 295 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। राज्यस्तरीय दोदिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच का आगाज दिनांक 06 सितंबर को पटना के फ्रेजर रोड स्थित यूथ हॉस्टल में हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मदरसा बोर्ड के माननीय अध्यक्ष श्री सलीम परवेज एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पी एन राय ने संयुक्त रूप से किया। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने इन फोकल शिक्षकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। ये फोकल शिक्षक यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने अपने मदरसों में अन्य शिक्षकों तथा बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे तथा प्रत्येक शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालित करेंगे। उद्घाटन सत्र में मदरसा बोर्ड के सचिव तथा परीक्षा नियंत्रक महोदय भी उपस्थित थे। प्राधिकरण से वरीय सलाहकार श्री अशोक कुमार शर्मा तथा यूनिसेफ के राज्य कंसल्टेंट डॉ पल्लव कुमार भी उपस्थित रहे। पहले बैच में विभिन्न जिलों के 43 मदरसों के शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी तरह दूसरे बैच में विभिन्न जिलों के मदरसों के 36 फोकल शिक्षकों, तीसरे बैच में 57, चौथे बैच में 32, पांचवे बैच में 32, छठे बैच में 31 और सातवें बैच में 64 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। मदरसा बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक श्री नूर इस्लाम के द्वारा सर्टिफिकेट दिया गया। दिनांक 26.09.2023 को प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। माननीय उपाध्यक्ष ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस तरह अगर हम सभी अगर एक–दूसरे को प्रशिक्षित करेंगे तो निश्चित ही हम लाखों लोगों को आपदा प्रबंधन के लिए तैयार कर सकेंगे। माननीय उपाध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतिभागियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे सुरक्षित बिहार के सपने को पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

(I) एनसीसी शिविर में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एनसीसी उड़ान एवं एसडीआरएफ के सहयोग से नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाता है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होनेवाले एनसीसी शिविरों के दौरान संवेदीकरण सम्पन्न करवाया जाता है। मॉकड्रिल का भी आयोजन किया जाता है। डूबने की घटनाओं की रोकथाम से बचाव के उपाय, ठनका से बचाव के उपाय, भूकंप से बचाव हेतु हस्त पुस्तिकाओं / प्रचार –प्रसार सामग्रियों का वितरण किया जाता है। एसडीआरएफ के द्वारा अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण तथा विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु मॉकड्रिल करवाया जाता है।

सितंबर माह, 2023 में कुल 04 एनसीसी शिविरों में विभिन्न तिथियों को उपरोक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुल 999 कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस प्रकार अभी तक 77 कैम्पस में कुल 29,951 कैडेट्स ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है।

क्र०	दिनांक	स्थल	आयोजक बटालियन	आयोजक ग्रुप	कैडेटों की संख्या
1.	02.09.23	एस०पी0 जैन कॉलेज, सासाराम	42 बिहार बटालियन, सासाराम	गया	182
2.	06.09.23	ओ०टी०सी0, बरौनी	17 बिहारबटालियन, सहरसा	भागलपुर	210
3.	09.09.23	अनुग्रह नारायण सिंह कॉलेज, बाढ़	38 बिहारबटालियन, बिहारशरीफ	गया	422
4.	19.09.23	ओ०टी०सी0, बरौनी	23 बिहार बटालियन, भागलपुर	भागलपुर	185
कुल					**999**

(J) जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में एनसीसी उड़ान एवं निर्माण कला मंच आदि के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से विभिन्न जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों एवं जिले की अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे एवं आस–पास के अवस्थित उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाता है। इस संबंध में माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गयी है, जिसके अनुसार विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

माह सितम्बर, 2023 में निम्नलिखित विद्यालयों/ स्थानों पर इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया :–

क्र0 सं0	**दिनांक**	**विद्यालय का नाम**	**प्रतिभागियों की संख्या (लगभग)**
1	08.09.2023	1. श्री लक्ष्मी उच्च माध्यमिक विद्यालय, सीतामढ़ी 2. श्री राधा कृष्णा गोयनका कॉलेज, सीतामढ़ी	300
2	11.09.2023	3. +2 राजकीयकृत उच्च विद्यालय, वार, औरंगाबाद 4. रामलखन सिंह यादव कॉलेज, औरंगाबाद	761
3	13.09.2023	5. आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, कदना, सारण 6. देवराहा बाबा श्रीधर दास इंटर महाविद्यालय, कदना, सारण	333
4	15.09.2023	7. राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, पूर्वी चम्पारण 8. श्री परशुराम गिरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जीवधारा, पूर्वी चम्पारण	250
5	16.09.2023	9. राजकीयकृत घनश्याम बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटना 10. कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटना	296
6	22.09.2023	11. +2 उच्च विद्यालय, नगरनौसा, नालंदा 12. मगध विद्यापीठ +2 उच्च विद्यालय, लोदीपुर –उसमानपुर, नालंदा	295
	कुल		**2235**

माह सितम्बर 2023 में उक्त कार्यक्रम उल्लिखित जिलों के **कुल** 12 विद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग **2235** छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया। इस प्रकार अभी तक 99 विद्यालयों/महाविद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें कुल लगभग 13968 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

(K) बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण

प्राधिकरण के सहयोग से जिला प्रशासन के तत्वावधान में समुदाय स्तर चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक–बालिकाओं को तैराकी व जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया जाता है। इसी कड़ी में सितंबर माह में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नालंदा, शेखपुरा, जहानाबाद, जमुई एवं अरवल द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालक–बालिकाओं का 12 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न करवाया गया। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित प्रखंडों के अंतर्गत चयनित घाटों पर बनाए गए **अस्थायी तरणताल** में प्रदान किया जाता है।

सितम्बर माह 2023 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड/साइट	प्रशिक्षण की तिथि (जुलाई माह 2023)	बैचों की संख्या	सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या
1.	नालंदा	बिहार शरीफ बेन अस्थावॉ रहुई बिन्द हिलसा एकंगरसराय हरनौत करायपरसुराम गिरियक सरमेरा	11 .09.2023 से 22.09.2023	22	660
2.	औरंगाबाद	गोह औरंगाबाद सदर दाउदनगर	11 .09.2023 से 22.09.2023	06	180
3.	रोहतास	डिहरी सासाराम विक्रमगंज	11 .09.2023 से 25.09.2023 11 .09.2023 से 22.09.2023 11 .09.2023 से 25.09.2023	06	180
4.	कैमुर	भभुआ रामगढ़ चांद	10 .09.2023 से 21.09.2023	06	180
5.	शेखपुरा	घाटकुसुंबा सेखोपरसुराय शेखपुरा	14 .09 .2023 से 25.09.2023	06	180

6.	जहानाबाद	काको हुलासगंज मखदुमपुर	16 .09 .2023 से 27.09.2023	06	180
7.	जमुई	चकाई बरहट खैरा सोनो	21.09 .2023 से 02.10.2023	08	240
8.	अरवल	अरवल कुर्था करपी	18.09 .2023 से 29.09.2023 18.09 .2023 से 29.09.2023 17.09 .2023 से 28.09.2023	06	180
कुल					**1980**

उल्लिखित जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर जुलाई माह 2023 तक कुल 3834 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

सितम्बर माह 2023 में कुल 08 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर कुल 1980 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 3834 +1980= 5814 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(L) आपदा प्रबंधन पर जीविका दीदियों के 'मास्टर ट्रेनर्स' का प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीविका समूह के दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित कर जागरूक करने के उद्देश्य से सभी जिलों के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक एवं प्रबंधक–सामाजिक विकास को तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से सभी जिलों में जीविका दीदियों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के संबंध में प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जा रहा है।

माह सितम्बर 2023 में दो बैचों में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अयोजित प्रशिक्षण में अररिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर एवं मधुबनी जिले के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधकों एवं

प्रबंधक–सामाजिक विकास के द्वारा भाग लिया गया एवं 73 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षिण दिया गया जो इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
5	16–18 नवम्बर, 2021	सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज	17
6	07–09 दिसम्बर, 2021	लखीसराय, भोजपुर, बक्सर, सारण एवं वैशाली	32
7	21–23 दिसम्बर, 2021	मुंगेर, नालंदा, नवादा, बांका एवं वैशाली	29
8	02–04 मार्च, 2022	गया, जहनाबाद एवं अरवल	21
9	14–16 मार्च, 2022	कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास एवं पटना	21
10	29–31 मार्च, 2022	शेखपुरा, पटना, जमुई एवं खगड़िया	23
11	20–22 फरवरी, 2023	भोजपुर, जहानाबाद, बांका, रोहतास, बेगूसराय, लखीसराय, किशनगंज, नालंदा, कैमूर, गया, शिवहर एवं सीतामढ़ी	28
12	05–07 जून, 2023	पटना एवं भोजपुर	39
13	12–14 जून, 2023	बक्सर एवं कैमूर	31
14	19–21 जून, 2023	रोहतास एवं नालन्दा	40
15	26–28 जून, 2023	गया एवं नवादा	40
16	03–05 जुलाई, 2023	अरवल, औरंगाबाद एवं प0 चम्पारण	36
17	10–12 जुलाई, 2023	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं शिवहर	38
18	17–19 जुलाई, 2023	पूर्वी चम्पारण एवं मधेपुरा	37
19	24–26 जुलाई, 2023	सीतामढ़ी एवं सारण	37
20	01–03 अगस्त, 2023	पूर्णिया एवं सिवान	33
21	07–09 अगस्त, 2023	समस्तीपुर एवं दरभंगा	40
22	16–18 अगस्त, 2023	बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया एवं मुंगेर	40
23	21–23 अगस्त, 2023	बांका, जमुई एवं सहरसा	31
24	28–30 अगस्त, 2023	गोपालगंज, शेखपुरा एवं सुपौल	31
25	11–13 सितम्बर, 2023	अररिया, किशनगंज एवं कटिहार	32
26	18–20 सितम्बर, 2023	भागलपुर एवं मधुबनी	41
		कुल	825

(M) अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए ड्राफ्ट एमओयू की समीक्षा

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को भूकंप के दौरान होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। इसके लिए आवश्यक है कि निर्माण कार्य में संलग्न सभी साझेदारों का क्षमतावर्द्धन किया जाए तथा आमजन को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण के संदर्भ में जागरूक किया जाए। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से देश के लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान पटना स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) द्वारा एक कांसेप्ट नोट प्राधिकरण को समर्पित किया गया है।

इसके आलोक में राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण को लेकर भारत सरकार की संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के सीईओ एवं प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष के स्तर पर हुई वार्ता के उपरान्त एनएसडीसी की उप महाप्रबंधक सुश्री भावना वर्मा से ईमेल प्राप्त हुआ है जिसे मा० उपाध्यक्ष के अवलोकनार्थ भेजा गया था। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार विधि परामर्शी (श्री रजा) द्वारा आवश्यक संशोधन कर एनएसडीसी की उप महाप्रबंधक सुश्री भावना वर्मा को भेज दिया गया। एनएसडीसी ने संशोधनोपरांत प्रस्तावित एमओयू के ड्राफ्ट को पुनः प्राधिकरण को भेजा है। प्राधिकरण स्तर पर इसकी समीक्षा की जा रही है।

जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम

जिला स्तर पर मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण के लिए एनडीआरएफ/एसडीआरएफ एवं अग्निशाम सेवा के सहयोग से प्रशिक्षण मॉडयूल तैयार किया गया है। अक्टूबर माह से सिविल डिफेन्स के ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाना है। इस सम्बन्ध में मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण हेतु एक कैलेन्डर माननीय उपाध्यक्ष एवं माननीय सदस्य (श्री राय सर) के अनुमोदनोपरांत नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय को सहमति हेतु भेजी गई है। मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण से संबंधित मॉडयूल को माननीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यद्वय का अनुमोदन प्राप्त हुआ है। इसे मुद्रण हेतु भेजा गया है।

जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट जिला स्तर से नियमानुसार निविदा/कोटेशन प्रक्रिया के माध्यम से क्रय हेतु आवश्यक राशि 02,39,000/– भेजी गई है। आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट को क्रय करने से सम्बंधित स्मार पत्र पुनः जिलों को सचिव स्तर से भेजा गया है।

जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं माकड्रिल कार्यक्रम

विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम को लगातार चलाए जाने की आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा से सम्बंधित मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। उपरोक्त कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करने एवं तैयारी हेतु दिनांक 04–10–2023 को एक बैठक निर्धारित की गई है।

(N) भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

1. राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा के लिए क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य को पूर्णता प्रतिवेदन प्राधिकरण को भेजने का अनुरोध किया गया है।

3. मुजफ्फरपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थापित भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु इंस्टिट्यूट की तरफ से एक प्रस्ताव प्राधिकरण में प्रस्तुत किया गया जिसके अवलोकनोपरांत माननीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यद्वय द्वारा कतिपय सुझाव दिए गए, जिसके आलोक में संशोधित प्रस्ताव अपेक्षित है।

3. भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने के सम्बन्ध में दिनांक 31.08.2023 को माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता एवं माननीय सदस्य श्री पी एन राय सर की गरिमामय उपस्थिति में भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तथा एन.आई.टी., पटना के संकाय सम्बंधितों के साथ एक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में माननीय उपाध्यक्ष द्वारा नयी शिक्षा नीति को ध्यान में रख कर नयी तकनीक के साथ समन्वय स्थापित करते हुए इससे से सम्बंधित कांसेप्ट नोट एन. आई.टी., पटना के प्रो० एके सिन्हा से प्राप्त हुआ है।

आरवीएस गाइडलाइन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आईआईटी, पटना के बीच संपन्न करार के तहत रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग (आरवीएस) गाइडलाइन तैयार कर ली गई है। आईआईटी पटना द्वारा आरवीएस गाइडलाइन का अन्तिम प्रारूप तैयार कर प्राधिकरण को समर्पित किया गया है। इस मार्गदर्शिका के जरिये पुराने मकान को बिना तोड़ फोड़ किए, उसे आंखों से देखकर और छूकर यह पता लगाया जा सकेगा कि यह मकान भूकंप को बर्दाश्त कर पाएगा या नहीं। आमजन को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण के लिए जागरूक करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। उक्त मार्गदर्शिका को संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजी जानी है। इस हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है।

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव के संबंध में

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव संबंधित विषय पर एक शोध प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किया गया है। एन.आई.टी., पटना के प्रो. संजीव सिन्हा द्वारा फोटोग्रामेट्री तकनीक का उपयोग करते हुए इनके रेट्रोफिटिंग विषय पर आगे का कार्य किया जाना है। इस सम्बन्ध में प्रो. सिन्हा द्वारा करवाई की जा रही है। प्रो० सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट अपेक्षित है।

(O) डीआरआर रोडमैप का अद्यतीकरण

डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) रोडमैप अद्यतीकरण का कार्य यूनिसेफ द्वारा किया जा रहा है। 05 सितम्बर, 2023 को यूनिसेफ ने पहला ड्राफ्ट दिया जिसका माननीय उपाध्यक्ष के स्तर पर अवलोकन किया गया। सुश्री वंदना ने एक प्रस्तुतीकरण भी दिया, इसकी प्रगति एवं गुणवत्ता से माननीय उपाध्यक्ष संतुष्ट नहीं हुए। चैप्टर 06, 07 एवं 08 के पुनर्लेखन की सलाह दी गई, जिसके लिए समय सीमा 04 अक्टूबर, 2023 रखी गई है। चैप्टर 03 के लिए भविष्य में जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए जिलावार वल्नेरबिलिटी इंडेक्स तैयार करने को कहा गया जिसके आधार पर जिलों का पुनर्वर्गीकरण किया जा सके। पूर्ण रूप से तैयार अंतिम ड्राफ्ट की समय सीमा 31 अक्टूबर, 2023 रखी गई है।

हीट एक्शन प्लान का अद्यतीकरण

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, (आईआईपीएच) गांधीनगर से संपर्क किया गया एवं जिलावार हीट वल्नेरेबिलिटी इंडेक्स को 2023 में भीषण ताप की स्थिति एवं भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण नयी संभावनाओं का आकलन एवं विश्लेषण पर चर्चा हुई।

आईआईपीएच, गांधीनगर के साथ ऑनलाइन बैठक माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई और इसके उपरांत तय हुआ कि आईआईपीएच हीट एक्शन प्लान एवं कोल्ड एक्शन प्लान दोनों पर कार्य करेगी। पहले कोल्ड एक्शन प्लान को पूरा किया जायेगा, तब हीट एक्शन प्लान का कार्य लिया जायेगा। संस्थान ने ड्राफ्ट एमओयू के प्रारूप के साथ बजट भी साझा किया, जिसमें आवश्यक सुधार करने को कहा गया। लगातार संस्थान के साथ संपर्क एवं समन्वय कर एमओयू ड्राफ्ट को अगली बैठक में एक एजेंडा के रूप में रखना तय किया गया। अगली बैठक प्राधिकरण में ही 05 अक्टूबर, 2023 को प्रस्तावित है, जिसमें संस्थान के निदशक के अलावा इस क्षेत्र के विशेषज्ञ प्रो. मावलंकर भी रहेंगे।

प्राधिकरण के लिए डिजिटल लाइब्रेरी

माननीय उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार डिजिटल लाइब्रेरी का कार्य बड़ी सक्रियता के साथ किया गया। विश्व की मशहूर डिजिटल लाइब्रेरी इंटरनेट आर्काइव प्राधिकरण को निबंधित किया गया ताकि निःशुल्क डिजिटल सामग्रियों को हम देख सकें, पढ़ सकें। इस लाइब्रेरी में करीब 4.6 मिलियन पुस्तकें एवं 06 मिलियन वीडियो हैं। साथ ही भारत सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय स्तर की डिजिटल लाइब्रेरी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से संपर्क कर प्राधिकरण के लिए एनडीएलआई का इंटीग्रेशन प्राधिकरण की वेबसाइट के साथ करने की स्वीकृति ली गई। इस हेतु कार्य चल रहा है, जिसके तहत प्राधिकरण को अपनी वेबसाइट से जुड़े वेब पेज को बनाना है।

(P) दिव्यांगजनों को आपदाओं में सुरक्षित रखने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में शुक्रवार, 22 सितंबर को कुम्हरार, पटना स्थित अंतरज्योति नेत्रहीन बालिका विद्यालय में आपदाओं से बचाव हेतु मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर ने एसआई श्री राजेश कुमार के नेतृत्व में दृष्टिबाधित बच्चियों, शिक्षकों और विद्यालय कर्मियों को विभिन्न आपदाओं में सुरक्षित रहने की जानकारी दी। अभ्यास के जरिये उन्हें भूकंप, अगलगी व वज्रपात जैसी आपदाओं में सुरक्षित रहने के तरीके बताए गए। घायल होने की स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा किस तरह करनी है, यह भी बच्चियों और शिक्षकों को बताया गया। बिहार नेत्रहीन परिषद के सचिव श्री रमेश सिंह समेत परिषद के कई पदाधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे। प्राधिकरण की इस पहल का परिषद ने स्वागत किया है।

पुनः 23 सितंबर को आशादीप दिव्यांग स्कूल, दीघा में प्राधिकरण के तत्वावधान में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। यहां अध्ययनरत मूक–बधिर बच्चों और उनके शिक्षकों को आपदाओं के बारे में बताया गया। इससे बचने के तरीके बताए गए। प्राथमिक चिकित्सा के उपायों की जानकारी दी गई। विद्यालय प्रबंधन और वहां पढ़नेवाले बच्चे मॉकड्रिल को लेकर काफी उत्सुक नजर आए। पूर्वाभ्यास में उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

(Q) हर माह की 14 तारीख को होगा हिंदी दिवस का आयोजन

– प्राधिकरण के तत्वावधान में सप्ताहव्यापी हिंदी दिवस समारोह आयोजित
– पराधीन मानसिकता के साथ हिंदी की लड़ाई नहीं जीती जा सकती : मनीष वर्मा

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में गुरुवार, 21 सितंबर को सप्ताहव्यापी हिंदी दिवस समारोह संपन्न हो गया। साहित्यकार और बिहार के संचार लेखा नियंत्रक श्री राजीव कुमार इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हिंदी दिवस समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उन्होंने पुरस्कृत किया। प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने इस मौके पर हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही राजभाषा को पर्याप्त सम्मान देने के उद्देश्य से हर महीने की 14 तारीख को हिंदी दिवस का आयोजन करने का निर्देश दिया। अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। अपने संबोधन में श्री राजीव कुमार ने कहा कि यहां आकर आपदा प्रबंधन का कार्य और आप सबके जज्बे को देखकर गौरव का अहसास होता है। इतिहास का छात्र होने के नाते उन्होंने बिहार की स्मृति में चार बड़ी आपदाओं का जिक्र करते हुए चिंता जताई कि मानवजनित आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। बेतरतीब शहरीकरण ने समस्याएं और बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति सम्मान बढ़ाने का अवसर है हिंदी दिवस। आप जहां भी हैं, हिंदी को बढ़ावा देने में, अपने माटी की संस्कृति को बढ़ावा देने में योगदान दें। संस्कृति को अक्षुण्ण रखने में भाषा का अहम योगदान है।

प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पीएन राय ने अपने उद्बोधन में हिंदी दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई दी। सप्ताहव्यापी हिंदी दिवस समारोह के दौरान प्राधिकरण कर्मियों के लिए कविता पाठ और अंत्याक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषा कौशल में सुधार के उद्देश्य से लेखन प्रतियोगिता रखी गई। चित्रकला व गीत प्रतियोगिता में कर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। कर्मियों के बीच स्क्रिप्ट लेखन प्रतियोगिता रखी गई।

इससे पूर्व दिनांक 14 सितंबर को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में हिंदी दिवस पर सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन अवसर पर प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि हम लगभग 70 साल से हिंदी दिवस मनाते आ रहे हैं। मनाते हैं और फिर अगले साल मनाने का इंतजार करते हैं। हमारे पूर्वजों ने, स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को जिस मुकाम पर पहुंचाने का सपना देखा था, उस लक्ष्य को आखिर हम क्यों पूरा कर नहीं पाए? यह गहन मंथन का विषय है। अंग्रेजों के खिलाफ हमारी सारी लड़ाई हिंदी में चली। स्वदेशी आंदोलन की तो भावना ही यही थी कि विदेशी चीज का इस्तेमाल नहीं करेंगे। विदेशी भाषा का भी त्याग करेंगे। फिर भी हिंदी क्यों पिछड़ गई? इस पर सोचने की जरूरत है। समाज में आज अंग्रेजी को प्रधानता है। कोई अगर अंग्रेजी में बात कर रहा होता है, तो हम उसे ज्यादा महत्व देते हैं। उसे बहुत जानकार मानते हैं। समाज में आखिर ऐसी सोच क्यों पनपी? ऐसी सोच अगर है, तो हम हिंदी को राष्ट्रभाषा दर्जा दे भी दें, तो क्या फर्क पड़ जाएगा? श्री वर्मा ने कहा कि पराधीन मानसिकता के साथ हिंदी की लड़ाई नहीं जीत सकते। अपने पर, अपनी भाषा पर आप गर्व नहीं करते, तो फिर मातृभाषा के साथ न्याय नहीं कर रहे होते। वह भाव, जहां गौरव का सर्वथा अभाव है, वही हिंदी को पीछे ले जा रहा है। सरकारी भाषा क्लिष्ट कर दी गई। इससे बहुत नुकसान हुआ। भाषा सरल, सहज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी का झंडा आज अगर बुलंद है, तो उसमें हिंदी सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। भाषा कौन–सी चलेगी, अब तो बाजार यह तय करता है। माननीय सदस्य ने कहा कि छोटे–छोटे देश फिनलैंड, स्वीडन, न्यूजीलैंड जैसे देश जहां मुश्किल से 1 करोड़ की भी आबादी नहीं है, वहां जब लोग अपनी भाषा में काम करते हैं, तो फिर डेढ़ सौ करोड़ की आबादी वाले देश में हम क्यों नहीं अपनी भाषा में काम करते, इस पर मंथन का आज दिन है। हम सभी को सोचना चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार व कथाकार श्री भगवती प्रसाद द्विवेदी ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की विशिष्ट साहित्य सेवा सम्मान से सम्मानित श्री द्विवेदी ने इस मौके पर कहा कि अपनी मातृभाषा से हमें उतना ही प्यार करना चाहिए, जितनी हम अपनी मां से करते हैं। भाषा के प्रति राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य है कि हिंदी को आज तक हम राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिला पाए। जरूरत आज इस बात की है कि हम सभी हिंदी को हृदय से अपनाएं। इसे किसी एक दिन की भाषा न बनाएं। समारोह में प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पीएन राय, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार, भा.प्र. से. भी मौजूद रहे।

(R) कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान

रेडियो जनसंचार का सबसे लोकप्रिय, किफायती और सुलभ माध्यम है। आपदा जागरूकता संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने में कम्युनिटी रेडियो कारगर माध्यम साबित हो सकते हैं। इसी सोच के साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पहली बार केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त राज्य के नौ कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर को अपने जन जागरूकता अभियान का हिस्सा बनाया। इन रेडियो की पहुंच दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में है। इनमें से अधिकतर स्थानीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। कुछ विशेष रूप से किसानों के लिए ही समर्पित रेडियो हैं।

वज्रपात की घटनाओं में असमय होने वाली मौतों में सर्वाधिक प्रभावित किसान और मजदूर ही होते हैं। ऐसे में इन कम्युनिटी रेडियो को पहले वज्रपात जागरूकता संदेशों के प्रसारण के लिए कहा गया। सितंबर माह के उत्तरार्द्ध में इसका प्रसारण किया गया। इसके लिए विशेष तौर पर पुरुष और महिला की आवाज में लोकप्रिय आरजे से जिंगल्स बनवाए गए। कुल नौ ब्रॉडकास्टर को इस अभियान में शामिल किया गया, जो आठ जिले में फैले हुए हैं। इनकी प्रसारण क्षमता का दायरा लगभग 20 किलोमीटर है। नौ कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर, जिन्हें प्राधिकरण की ओर से जागरूकता संदेशों के प्रसारण का कार्य दिया गया :

क्र.सं.	नाम	प्रसारण क्षेत्र
1.	**एफएम ग्रीन**	सबौर
2.	**रेडियो मयूर**	सारण
3.	**रेडियो वर्षा**	गोपालगंज
4.	**रेडियो मधुबनी**	फुलपरास
5.	**रेडियो रिमझिम**	गोपालगंज
6.	**रेडियो एक्टिव**	भागलपुर
7.	**रेडियो स्नेही**	सिवान
8.	**रेडियो रिसर्च**	मुंगेर
9.	**रेडियो गूंज**	वैशाली

(S) कॉलेज छात्रों के बीच नुक्कड़ नाटक स्क्रिप्ट लेखन प्रतियोगिता

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं रोकथाम हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक इसका एक सशक्त माध्यम है। नुक्कड़ नाटकों में नयापन और रोचकता लाने के साथ–साथ इन्हें और ज्यादा सूचनाप्रद बनाने के उद्देश्य से प्राधिकरण ने हिंदी में नई स्क्रिप्ट आमंत्रित की है।

इसके तहत राजधानी के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को बेहतर स्क्रिप्ट लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। चयनित सर्वश्रेष्ठ पांच स्क्रिप्ट लेखकों को प्राधिकरण की ओर से सम्मान राशि और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। यह प्रतियोगिता ऑनलाइन संपन्न की जाएगी। इसमें यूजी, पीजी के किसी भी संकाय के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल आफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग को इसके लिए नोडल बनाया गया है। गौरतलब है कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आम जन को आपदाओं में सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जन जागरूकता का व्यापक अभियान पूरे वर्ष संचालित करता है। अभी हाल ही में प्राधिकरण के बैनर तले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में कांवरिया पथ पर और राजगीर के प्रसिद्ध मलमास मेले में जगह–जगह नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। विभिन्न नाट्य संस्थाओं और कला जत्था से जुड़े कलाकारों ने नालंदा, भागलपुर, मुंगेर और बांका जिलों में जिला प्रशासन के सहयोग से विभिन्न जगहों पर दर्जनों नाटक मंचित किए।

(T) 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम

दिनांक 4 सितंबर को प्राधिकरण सभाकक्ष में आयोजित 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में पेशे से इंजीनियर और पिछले 25 वर्षों से अमेरिका में रह रहीं सुश्री मनीषा पाठक और दिव्यांगों के कल्याणार्थ काम कर रहीं पटना निवासी समाजसेविका कुमारी वैष्णवी कर्मियों से रू–ब–रू हुईं। सुश्री मनीषा अपने संगठन ओवरसीज ऑर्गेनाइजेशन फॉर बेटर बिहार (ओ2बी2) के जरिए अमेरिका में बिहार की संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं। संगठन से 400 से ज्यादा लोग जुड़े हैं। सुश्री मनीषा ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मिलकर बिहार की बेहतरी के लिए कार्य करने की इच्छा जताई। वहीं, कुमारी वैष्णवी प्राधिकरण की फ्लैगशिप योजना दिव्यांग आपदा जोखिम न्यूनीकरण व क्षमतावर्धन कार्यक्रम से जुड़ेंगी। इनका संगठन पूरे राज्य में फैला है, जिसके जरिए राज्य भर के दिव्यांगजनों को आपदा से बचाव की जानकारी दी जा सकेगी। इस मौके पर माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पीएन राय और माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा मौजूद थे।

(U) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर सितम्बर माह में राज्य के कुल 389 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 27 सरकारी एवं 362 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

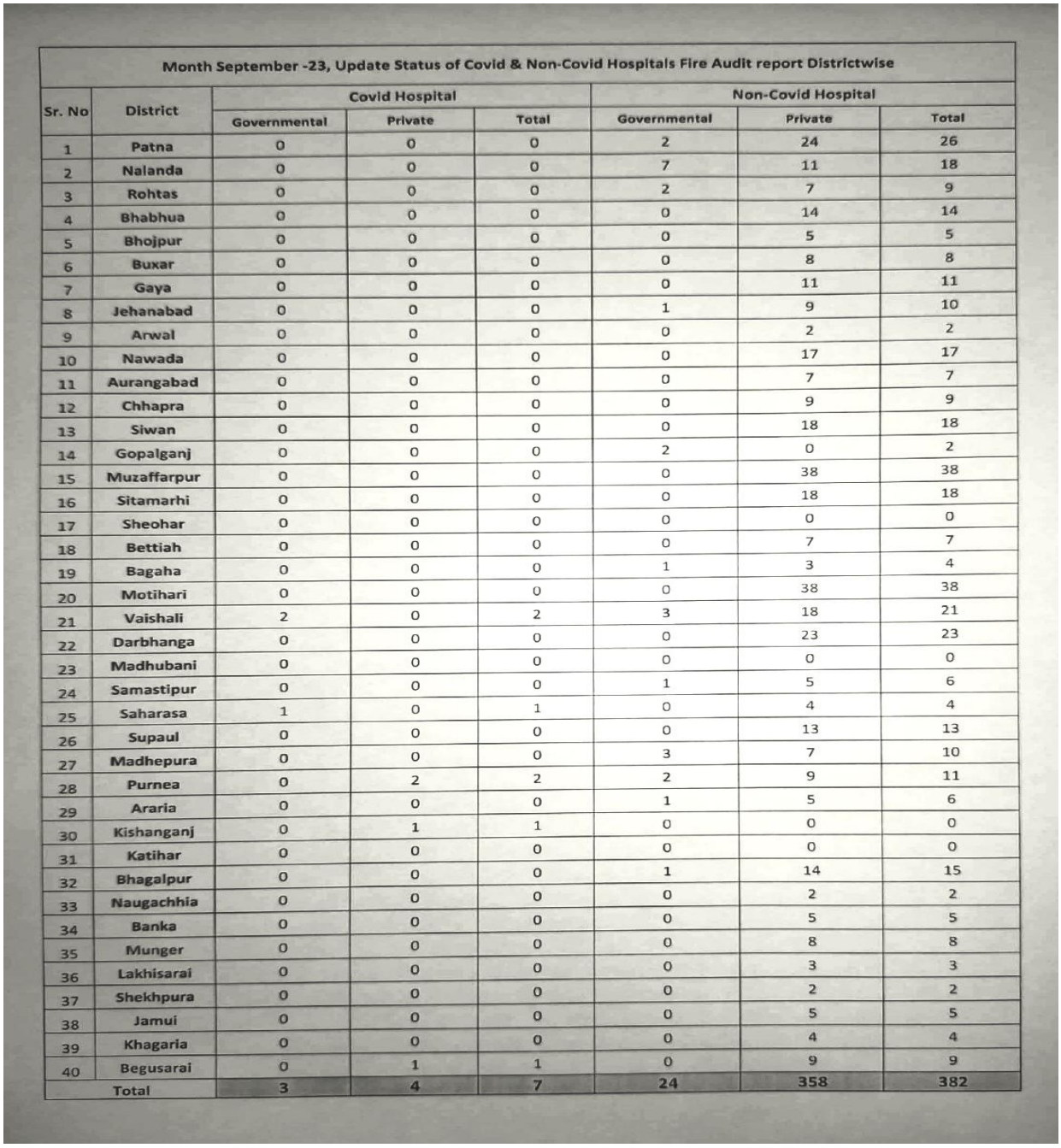

Month September -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise

Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	2	24	26
2	Nalanda	0	0	0	7	11	18
3	Rohtas	0	0	0	2	7	9
4	Bhabhua	0	0	0	0	14	14
5	Bhojpur	0	0	0	0	5	5
6	Buxar	0	0	0	0	8	8
7	Gaya	0	0	0	0	11	11
8	Jehanabad	0	0	0	1	9	10
9	Arwal	0	0	0	0	2	2
10	Nawada	0	0	0	0	17	17
11	Aurangabad	0	0	0	0	7	7
12	Chhapra	0	0	0	0	9	9
13	Siwan	0	0	0	0	18	18
14	Gopalganj	0	0	0	2	0	2
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	38	38
16	Sitamarhi	0	0	0	0	18	18
17	Sheohar	0	0	0	0	0	0
18	Bettiah	0	0	0	0	7	7
19	Bagaha	0	0	0	1	3	4
20	Motihari	0	0	0	0	38	38
21	Vaishali	2	0	2	3	18	21
22	Darbhanga	0	0	0	0	23	23
23	Madhubani	0	0	0	0	0	0
24	Samastipur	0	0	0	1	5	6
25	Saharasa	1	0	1	0	4	4
26	Supaul	0	0	0	0	13	13
27	Madhepura	0	0	0	3	7	10
28	Purnea	0	2	2	2	9	11
29	Araria	0	0	0	1	5	6
30	Kishanganj	0	1	1	0	0	0
31	Katihar	0	0	0	0	0	0
32	Bhagalpur	0	0	0	1	14	15
33	Naugachhia	0	0	0	0	2	2
34	Banka	0	0	0	0	5	5
35	Munger	0	0	0	0	8	8
36	Lakhisarai	0	0	0	0	3	3
37	Shekhpura	0	0	0	0	2	2
38	Jamui	0	0	0	0	5	5
39	Khagaria	0	0	0	0	4	4
40	Begusarai	0	1	1	0	9	9
Total		3	4	7	24	358	382

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 10,815 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(V) सितंबर माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (सितंबर – 2023)		
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	13,16,383
2	कार्यालय व्यय	5,36,666
3	जन जागरुकता	12,53,200
4	सुरक्षित तैराकी	3,96,24,465
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	2,11,200
6	भूकंप सुरक्षा	1,320
7	बाढ़ / सूखा	35,524
8	सी. डी. एम. पी.	73,72,000
9	मुद्रण एवं प्रकाशन	44,800
10	जीविका दीदी प्रशिक्षण	3,996
11	पुरस्कार	1,65,000
12	इनसे मिलिए	6,240
13	विद्युत्	1,991
14	यात्रा भत्ता	33,086
15	दूरभाष	5,747
16	वेतन (31-04)	22,64,933
17	“अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र”	1,15,15,136

(W) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

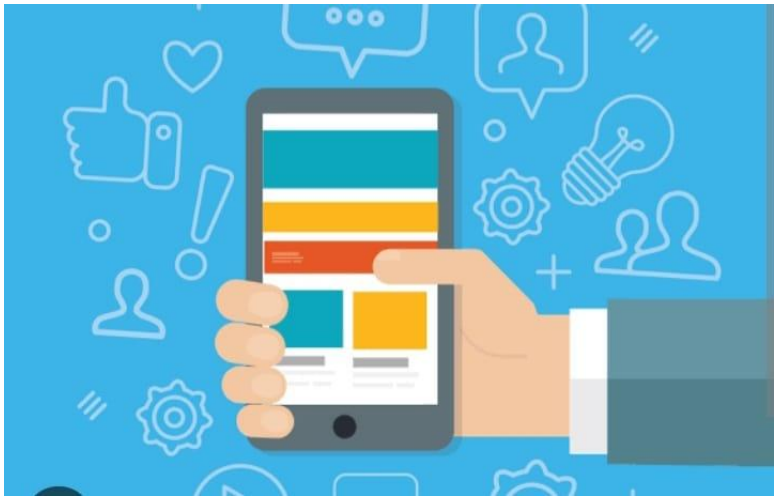

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। अगस्त, 2023 में कुल 5275347 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिये वज्रपात और नाव दुर्घटना से बचाव की जानकारी लोगों को दी गई।